अभ्यास पत्रक

पाठ – संस्कृति

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

1. लेखक के अनुसार संस्कृति और सभ्यता के बीच अंतर क्या है?

   (क) कोई अंतर नहीं है (ख) संस्कृति सभ्यता का परिणाम है

   (ग) सभ्यता संस्कृति का परिणाम है (घ) दोनों एक ही वस्तु हैं

2. आग के आविष्कार का कारण क्या माना गया है?

   (क) भोजन पकाने की इच्छा (ख) प्रकाश की आवश्यकता

   (ग) शिकार करने का तरीका (घ) युद्ध जीतने का साधन

3. लेखक ने किस वैज्ञानिक को 'संस्कृत व्यक्ति' कहा है?

   (क) आइंस्टीन (ख) हॉकिंग (ग) न्यूटन (घ) आर्यभट्ट

4. लेखक के अनुसार 'संस्कृति' किस भावना से जुड़ी होनी चाहिए?

   (क) स्वार्थ (ख) वर्चस्व (ग) कल्याण (घ) प्रतियोगिता

5. लेखक ने सिद्धार्थ के त्याग को किसका उदाहरण माना है?

   (क) धर्म का (ख) सामाजिक क्रांति का (ग) असंस्कृति का (घ) सच्ची संस्कृति का

प्रश्न 2: रिक्त स्थान भरें – (1×2 = 2 अंक)

1. लेखक के अनुसार _____ का अंश कभी नष्ट नहीं होता।
2. _____ की भावना से रहित संस्कृति, असंस्कृति बन जाती है।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30–40 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. लेखक ने आग और सुई-धागे के उदाहरण किस बात को स्पष्ट करने के लिए दिए हैं?

उत्तर - .....

.....

.....

2. 'ज्ञानेप्सा' शब्द का प्रयोग किस सन्दर्भ में किया गया है?

उत्तर - .....

.....

3. लेखक ने सभ्यता को किसका परिणाम माना है?

उत्तर - .....

.....

.....

4. लेखक के अनुसार कौन व्यक्ति 'संस्कृत' कहलाता है?

उत्तर - .....

.....

.....

egyanarchive

प्रश्न 4: गद्यांश आधारित प्रश्न (1×4 = 4 अंक)

"पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता।"

1. लेखक ने संस्कृति की जननी क्या नहीं माना?

उत्तर - .....

.....

2. 'निठल्ला नहीं बैठ सकता' का क्या आशय है?

उत्तर - .....

.....

3. इस पंक्ति में किस प्रकार के व्यक्ति की विशेषता बताई गई है?

उत्तर - .....

.....

4. इस कथन से लेखक का कौन-सा दृष्टिकोण स्पष्ट होता है?

उत्तर - .....

.....

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा: 80–100 शब्द*

प्रश्न - 'संस्कृति' पाठ में लेखक ने बताया है कि कोई भी आविष्कार तभी संस्कृति कहलाता है जब उसमें कल्याण की भावना हो। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक संस्कृति, सभ्यता, असंस्कृति और असभ्यता को किस प्रकार परिभाषित करते हैं।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ग) सभ्यता संस्कृति का परिणाम है
2. (क) भोजन पकाने की इच्छा
3. (ग) न्यूटन
4. (ग) कल्याण
5. (घ) सच्ची संस्कृति का

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. कल्याण
2. कल्याण

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. लेखक ने यह दिखाने के लिए आग और सुई-धागे का उदाहरण दिया है कि किसी व्यक्ति विशेष की प्रेरणा और योग्यता से आविष्कार होता है – यही उसकी संस्कृति है।
2. ज्ञानेप्सा का अर्थ है – ज्ञान प्राप्त करने की तीव्र इच्छा। यह संस्कृति के दूसरे प्रेरक तत्व के रूप में उल्लेखित है।
3. लेखक के अनुसार सभ्यता संस्कृति का परिणाम है — जैसे जीवन के साधन, रहन-सहन, पहनावा, आदि।
4. जो व्यक्ति किसी नए तथ्य का आविष्कार करता है अथवा बिना स्वार्थ के कल्याण के लिए प्रयास करता है – वही संस्कृत कहलाता है।

प्रश्न 4 – गद्यांश आधारित उत्तर:

1. केवल पेट भरना और तन ढंकना संस्कृति की जननी नहीं है।
2. ऐसा व्यक्ति जो आराम में रहकर भी नई खोज की इच्छा से प्रेरित रहता है।
3. वह व्यक्ति जो चिंतनशील, संवेदनशील और सृजनशील होता है।
4. लेखक यह समझाना चाहते हैं कि संस्कृति केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि आंतरिक प्रेरणा का परिणाम है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तरीय उत्तर संकेत:

- लेखक के अनुसार **संस्कृति** वह योग्यता, प्रेरणा या चेतना है जिससे कोई आविष्कार, कल्याण या सृजन संभव होता है।
- **सभ्यता** संस्कृति का परिणाम है – जैसे आग, सुई, पहनावा, गमन के साधन।
- यदि आविष्कार कल्याण की भावना से रहित है तो वह **असंस्कृति** है।
- ऐसी असंस्कृति का फल जो समाज को नुकसान पहुँचाए, वह **असभ्यता** कहलाती है।
- लेखक कहते हैं कि संस्कृति सार्वभौमिक और अविभाज्य है — उसका कल्याणकारी अंश ही स्थायी है।

egyanarchive